भजन

तर्ज–आजा तुझको पुकारे

अंगना तेरी है बेकरार,
प्रीतम तड़प रही है तेरी चाह में

1–मांग लिया जो इश्क रब्द में ये थी भूल हमारी
खुद उपजाया आपने प्रीतम कैसी लीला तुम्हारी
माया में दुख हैं बेशुमार...

2–पर्दा हटा दो जलवा दिखा दो यह है चाह हमारी
साथ चले सब छोड़ जहां को यह है आस हमारी
आस बुझा दो एक बार...

3–धनी के चरण में सुरता लगाकर अपने धाम को जायें
खेलें वनों में घाटों में घूमें अपने पिया को रिझायें
साथ की यहीं है पुकार...